वैश्विक खाद्य सुरक्षा सूचकांक 2021

drishtiias.com/hindi/printpdf/global-food-security-index-2021

प्रिलिम्स के लिये:

वैश्विक भुखमरी सूचकांक 2021, वैश्विक खाद्य सुरक्षा सूचकांक 2021

मेन्स के लिये:

वैश्विक खाद्य सुरक्षा सूचकांक की प्रमुख विशेषताएँ

चर्चा में क्यों?

वैश्विक खाद्य सुरक्षा (GFS) सूचकांक 2021 में 113 देशों की सूची में **भारत का 71वाँ** स्थान है।

इससे पूर्व **वैश्विक भुखमरी सूचकांक (GHI) 2021** में भारत को 101वाँ स्थान प्राप्त हुआ था।

प्रमुख बिंदु

- **सूचकांक के बारे में:**
  - **विकास:**
    - GFS सूचकांक को **लंदन स्थित इकोनॉमिस्ट इम्पैक्ट** द्वारा डिज़ाइन और निर्मित किया गया और इसे **कॉर्टेवा एग्रीसाइंस (Corteva Agriscience) द्वारा प्रायोजित** किया गया था।
    - वर्ष 2021 में जारी **GFSI सूचकांक का दसवाँ संस्करण** है। इस सूचकांक को **प्रतिवर्ष प्रकाशित** किया जाता है।
  - **मापन:**
    - यह **निम्नलिखित** के आधार पर खाद्य सुरक्षा के अंतर्निहित कारकों को मापता है:
      - सामर्थ्य
      - उपलब्धता
      - गुणवत्ता और सुरक्षा
      - प्राकृतिक संसाधन और लचीलापन
    - यह आय और आर्थिक असमानता सहित **58 अद्वितीय खाद्य सुरक्षा संकेतकों** का आकलन करता है, वर्ष 2030 तक **संयुक्त राष्ट्र के सतत् विकास लक्ष्य** में ज़ीरो हंगर की दिशा में प्रगति को तीव्र गति प्रदान करने के लिये प्रणालीगत अंतराल और आवश्यक कार्यों पर ध्यान आकर्षित करना होगा।

- **रिपोर्ट के प्रमुख परिणाम (भारत और विश्व):**
    - **शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले देश:**

        आयरलैंड, ऑस्ट्रेलिया, यूके, फिनलैंड, स्विट्ज़रलैंड, नीदरलैंड, कनाडा, जापान, फ्राँस और अमेरिका ने सूचकांक में 77.8 और 80 अंकों की सीमा में समग्र जीएफएस स्कोर के साथ शीर्ष स्थान साझा किया।
    - **भारत का स्थान:**
        - **समग्र स्थिति:** 113 देशों के GFS सूचकांक 2021 में **भारत 57.2 अंकों के समग्र स्कोर के साथ 71वें स्थान** पर है।
        - **पड़ोसी देशों से तुलना:** इस सूचकांक में भारत का प्रदर्शन पाकिस्तान (75वें स्थान), श्रीलंका (77वें स्थान), नेपाल (79वें स्थान) और बांग्लादेश (84वें स्थान) से बेहतर है लेकिन वह **चीन (34वें स्थान) से पीछे** है।
            - हालाँकि पिछले 10 वर्षों में **समग्र खाद्य सुरक्षा स्कोर में भारत की प्रगतिशील वृद्धि** पाकिस्तान, नेपाल और बांग्लादेश से कम रही।

                भारत का स्कोर केवल 2.7 अंक बढ़कर वर्ष 2021 में 57.2 हो गया, जो वर्ष 2012 में 54.5 था, यह पाकिस्तान की तुलना में 9 अंक (2021 में 54.7 और 2012 में 45.7) अधिक था।
            - **फूड अफोर्डेबिलिटी कैटेगरी में पाकिस्तान ने भारत से बेहतर स्कोर किया,** जबकि श्रीलंका इस श्रेणी में पहले से ही बेहतर स्थिति में है। **शेष 3 बिंदुओं** पर भारत ने पाकिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका से बेहतर स्कोर किया है।
- **चिंताएँ:**
    - वर्ष 2030 तक ज़ीरो हंगर स्थिति प्राप्त करने के **सतत् विकास लक्ष्य की दिशा में सात वर्षों की प्रगति के बाद लगातार दूसरे वर्ष वैश्विक खाद्य सुरक्षा में कमी आई है।**
    - जबकि देशों ने पिछले दस वर्षों में खाद्य असुरक्षा को दूर करने की दिशा में पूर्ण प्रगति की है, **खाद्य प्रणाली आर्थिक, जलवायु** और **भू-राजनीतिक गतिविधियों के प्रति संवेदनशील** बनी हुई है।
- **सुझाव:**
    - भूख और कुपोषण को समाप्त करने तथा **सभी के लिये खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित** करने हेतु स्थानीय, राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्तर पर कार्रवाई की जानी अनिवार्य है।
    - **वर्तमान और उभरती भविष्य की इन चुनौतियों का सामना** करने के लिये आवश्यक है कि खाद्य सुरक्षा में निवेश के साथ-साथ जलवायु अनुकूल फसल पैदावार में नवाचार से लेकर सबसे कमज़ोर लोगों की सहायता हेतु योजनाओं में निवेश को जारी रखा जाए।
- **सरकार द्वारा की गई पहलें:**
    - **ईट राईट इंडिया मूवमेंट**
    - **पोषण अभियान**
    - **फूड फोर्टिफिकेशन**
    - **राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013**
    - **एकीकृत बाल विकास सेवाएँ (ICDS) योजना**
    - **नेशनल इनोवेशंस ऑन क्लाइमेट रेज़िलिएंट एग्रीकल्चर (NICRA)**

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस